20–5–67 ओमशांति रात्रीक्लास

कल्प में एक ही बार लक्की चिल्ड्रेन्स बाप से वर्सा लेने लिए पुरुषार्थ करते हैं। पुरुषार्थ में और सब सहज है। एक याद की यात्रा में ही मेहनत है। बच्चों को मालूम नहीं पड़ता है कि (हम) याद की यात्रा में चल रहे हैं कि नहीं। बाबा ने कहा है कि शाम को बैठकर चार्ट लिखो। देखो कुछ दम है?लिख (ही) नहीं सकते। याद के अर्थ को भी बहुत बच्चे समझ नहीं सकते हैं। अब बच्चों को डिफिकल्टी होती है बाप की बात पर ;क्योंकि गीता में दिखाया है अर्जुन और कृष्ण। वास्तव में बच्चे जानते हैं कि .....बाप आये हैं संगमयुग पर राजयोग सिखाने। अब अर्जुन कौन है तुम बताओ?(ब्रह्मा)अब वास्तव में होना चाहिए ब्रह्मा ;क्योंकि प्रजापिता तो ब्रह्मा है ना। तो जरूर ब्राह्मण चाहिए। प्रजापिता , ब्रह्मा ही है। अर्जुन का कृष्ण का नाम ही नहीं होना चाहिए। कब भी कोई एक मनुष्य का फीचर्स फिर दूसरे जन्म में मिल नहीं सकता है। यह सब बातें भी तब मानें जब यह मानें कि भगवान एक को ही कहा जाता है। पहली2 बात ही यह। गॉड इज वन की महिमा। उंच ते उंच ज्ञान सागर पतित–पावन सर्व का सदगति दाता लिबरेटर गाइड। मनुष्यों की बुद्धि में कृष्ण और अर्जुन ही आवेगा। तो पहले बाप का परिचय दो। फिर (बताओ) कि ब्रह्मा द्वारा ब्राह्मण रचते हैं। बातें हैं जरूर गुह्य। इसलिए बाप समझाते हैं पहले2 अल्फ.....। अल्फ नहीं समझा तो बे की बात ही नहीं उठती है। जब अलफ का ...पड़े तब.....कि हैविनली गॉडफादर स्वर्ग का रचता है, भारत को स्वर्ग का मालिक बनाया था, भारत स्वर्गवासी था। .....आरग्यू करते हैं कि स्वर्ग कब था, वो तो सतयुग को बहुत लम्बा ले जाते हैं ना। अगर.....होते तो मनुष्य भी अनगिनत हो जाते। बाप कहते हैं बच्चों तुम अपने जन्मों को नहीं (जानते).....(मैं) समझाता हूँ। 84(लाख) जन्म बिताने में ही कितने वर्ष लग जावें। तुम बच्चों को 84..... में देरी नहीं लगती है। मनुष्य मूंझे हुये हैं। तुम जानते हो कि सब एकरस नहीं समझ (सकते)। .....वालों को बार2 निमंत्रण मिलते हैं। गुलजार को मनोहर को भेजो। सिद्ध करना है कि यह.....होशियार है। पुरुषार्थ कर अगर समझेंगे, समझावेंगे नहीं तो पद कम पावेंगे। मुफ़्त में किसको भी मिल नहीं सकता। मेहनत से वर्सा पाया जाता है। लौकिक बच्चा तो जन्म और वर्से का हकदार बना। यहां पढ़ाई पर सारा मदार है। इसमें भी ज्ञान है। मनमनाभव मद्याजीभव भी ज्ञान। विकर्म विनाश होने का और रास्ता है नहीं। सिर्फ मामेकम् याद करो। बच्चों को कोशिश कर अल्फ पर ठहराना है। नही तो समझना चाहिए अपने ब्राह्मण जात का नहीं है। दुकान पर माल दिखलाने जाते हैं। फिर पसंद न आया तो चला जावेगा। तुम बच्चों की दुकानदारी है। विरला कोई व्यापार करे। यह व्यापारी भी है। शर्राफ भी है। धोबी भी है। सब टाइटिल उनको दे सकते हैं। मुसलमान ,हिंदू गुजराती ,पारसी ,क्रिश्चियन कोई को भी समझाने की रमज चाहिए। सबका गॉडफादर एक है। वो ही लिबरेटर है। अब कर रहे हैं। बाप कहते हैं देह सहित देह के सब सम्बंध छोड़ अपने को आत्मा समझो। अल्हा को याद करो। वो ही पतित–पावन ,लिबरेटर,गाइड है। कब सन्यासी को गाइड नहीं कहा जावेगा। गाइड वो जो साथ ले जाये। बाप है ही पंडा। बच्चे जानते हैं पांडव राजधानी अब तो है नहीं। अभी तो है प्रजा का प्रजा पर कुरू राज्य। डरना न चाहिए। लिख दो शिव भगवानोवाच। फिर कोई मूंझने की ,डरने की दरकार नहीं है। कई इस चित्र के आगे ले नहीं जाते हैं। दिखाना चाहिए और सब झंडे हैं ,देवी–देवता का झंडा है नहीं। प्रायःलोप है। बाप आते हैं अनेक धर्म विनाश एक धर्म की स्थापना करने। हूबहू यह गीता एपीसोड (episode) है। कोई भी जात वाला हो, उनको समझा सकते हैं। पहली बात है गीता का भगवान कौन?हमारा बाप नालेजफुल है। मनुष्य सृष्टि का बीजरूप है। सत्य है, चैतन्य है। संस्कार आत्मा में रहते हैं। तुम सबको समझा सकते हो। वो पतित–पावन,लिबरेटर है, रहमदिल है। सारी सृष्टि इस समय तमोप्रधान है।सतोप्रधान है नई सृष्टि जहां देवी–देवताओं का राज्य है। अब उस धर्म की स्थापना कर रहे हैं। यही ब्राह्मण पढ़कर प्योर बन योग में पुरुषार्थ कर पवित्र बन जावेंगे। यही समय है। लड़ाई के पहिले पुरुषार्थ करना है। धुआं तो

एक तरफ देखते ही रहते हैं। अच्छा, मीठे2 रुहानी बच्चों को रुहानी बापदादा का यादप्यार और गुडनाइट।